हे महारे बोल मुँडेरे प काग मन्नै हे लागै आज मेरे बालाजी आवेंगे

हे महारे बोल मुँडेरे प काग,
मन्नै हे लागै,
आज मेरे बालाजी आवेंगे।bd।

हे मन्नै हिंचकी आवं थी रात ने,
आज रोटी मुस: थी मेरे हाथ में,
मैं तो इब समझी सुं राज,
मन्नै हे लागै,
आज मेरे बालाजी आवेंगे।bd।

हे महार: काग मुँडेरे प बोलता,
वो त आवण का राज खोलता,
वो त देवों के सरताज,
मन्नै हे लागै,
आज मेरे बालाजी आवेंगे।bd।

मेरे बालाजी दयावान हैं,
उने सब भक्तों का ध्यान है,
वो तो सबकी राख: स लाज,
मन्नै हे लागै,
आज मेरे बालाजी आवेंगे।bd।

अशोक भक्त नादान हस दिया,
बालाजी ने ज्ञान स,
सुण कौशिक जी का साज,
मन्नै हे लागै,
आज मेरे बालाजी आवेंगे।bd।

हे महारे बोल मुँडेरे प काग,
मन्नै हे लागै,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

आज मेरे बालाजी आवेंगे।bd।

गायक – नरेंद्र कौशिक जी।
प्रेषक – राकेश कुमार खरक जाटान(रोहतक)
9992976579

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com